सिर्फ प्रबंधन नहीं नेतृत्व क्षमता भी विकसित करें देश के युवा

आइआइएम में भारत के मन की बात, जनरल वीके सिंह के साथ कार्यक्रम आयोजित

जागरण संवाददाता, रांची : विदेश राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह मंगलवार को पूरे मूड में दिखे, युवाओं के बीच युवाओं की तरह बात की। कहा, युवा सिर्फ प्रबंधकीय कौशल नहीं, बल्कि नेतृत्व क्षमता भी विकसित करें। देश को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है, जो अच्छे मैनेजर भी हों। वे मंगलवार को आइआइएम रांची में भारत के मन की बात, जनरल वीके सिंह के साथ कार्यक्रम में बोल रहे थे। मंत्री ने कहा कि लीडर में कांफिडेंस, अच्छा कम्युनिकेशन स्किल, कमिटमेंट जैसे गुण चाहिए। युवाओं के बीच कम्युनिकेशन बहुत मायने रखता है।

मंत्री ने कहा कि प्रभावशाली गवर्नेंस और अच्छे नेतृत्व से सब कुछ संभव है। गुड गवर्नेंस से अच्छी नीतियां बनती हैं और कम संसाधन में बेहतर रिजल्ट आता है। मंत्री ने कहा कि युवा गांव से जुड़कर बेहतर कार्य कर रहे हैं। छात्र-छात्राओं ने मंत्री से सवाल भी किए, जिसका उन्होंने जवाब दिया। इससे पहले आइआइएम के निदेशक डॉ. शैलेंद्र सिंह ने वीके सिंह का स्वागत किया। मौके पर मेयर आशा लकड़ा, वीसी डा. रमेश कुमार पांडेय सहित अन्य थे।

देश के विकास में शामिल हों आम लोग : आइआइएम से पहले एटीआइ में विदेश राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह ने कहा कि जब आम नागरिक देश के विकास में शामिल नहीं होंगे, तब तक सही मायने में विकास नहीं हो सकता है। साढ़े चार साल में चीजें पटरी पर आई हैं,,अब ठीक होने की राह पर आगे बढ़ेंगे। इसके लिए जरूरी है पटरी से नहीं उतरे। बदलाव साफ दिख रहा है। भारत मोबाइल बनाने से लेकर डाटा यूज करने में सबसे आगे है। वह भी सबसे सस्ती दर पर। हम इस दिशा में बढ़ रहे हैं कि हवाई चप्पल पहनने वाले भी हवाई यात्रा करे। कुंभ में गंगा साफ दिखी। यह इच्छाशक्ति व लोगों के सहयोग से संभव हुआ। विश्व में देश की साख बढ़ी है। दुनिया के देश हमारे प्रधानमंत्री को सुनने के लिए आतुर हैं।

चुनाव तय करेगा भारत कहां होगा : वीके सिंह ने कहा कि युवाओं को इतना अवसर दिया जाए कि वे खुद रोजगार उत्पन्न कर सकें। लोन देने में सुविधा बढ़ी है। बदलते भारत में युवाओं की भूमिका बढ़ी है। यह चुनाव तय करेगा कि आने वाले समय में भारत कहां होगा। हमें फैसला करना होगा कि उत्कृष्ट या लचर, कैसा भारत चाहिए।

बिना भेदभाव के मिलता योजनाओं का लाभ : राज्य मंत्री ने कहा कि अब सरकार की सारी योजनाओं का लाभ बिना जाति व धर्म के भेदभाव के सभी को मिल रहा है। आजादी के बाद से लोगों को बांटा गया, लेकिन वर्तमान सरकार लोगों को जोड़ने का काम कर रही है। आतंकवादी घटनाओं पर अब हम चुप नहीं बैठते हैं, करारा जवाब देते हैं। 40 से अधिक देशों ने हमारी कार्रवाई का समर्थन किया। जनरल ने कहा कि पूर्व सैनिक समाज के भीतर एकता लाने का काम करता है। वन रैंक वन पेंशन पर अच्छा काम हुआ।

आइआइएम सभागार में संबोधित करते हुए केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह • जागरण

लड़ाई कोई कंचे का खेल नहीं, लादेन को मारने में चार साल लगे

राज्य ब्यूरो, रांची : बालाकोट के बाद की रणनीति से संबंधित एक सवाल के जवाब में जनरल ने कहा कि लड़ाई कोई कंचे का खेल नहीं। लंबी तैयारी करनी पड़ती है। आतंकी ओसामा बिन लादेन को मार गिराने में तीन-चार साल लगे। आज तक हमने कभी निर्णायक फैसला नहीं लिया था। आतंक के खिलाफ लड़ाई में यह सर्जिकल स्ट्राइक निर्णायक मोड़ साबित हुआ। हमने पाक के अंदर घुसकर आतंकी कैंप को नष्ट करने का काम किया।

पाकिस्तान की जेलों में और भारतीय, पाकिस्तान लगातार करता रहा है खंडन

अभिनंदन की वापसी के बाद भारत की विदेश नीति और कूटनीति की चर्चा पूरे विश्व में है। क्या भारत पाकिस्तान के जेलों में बंद अन्य भारतीयों पर भी विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि 1971 के बाद भारत और पाकिस्तान दोनों ने ही अपने-अपने जेलों में बंद बंदियों को लौटाने का काम किया है। 54 अन्य भारतीयों के आज भी पाक के जेलों में होने की बात आती है। पाकिस्तान इसका खंडन करता आया है। हमने दावा करने वाले परिजनों की टीम भी पाकिस्तान भेजी थी। उन्होंने जेलों को खंगाला, परंतु कुछ भी हाथ नहीं लगा। जिससे सबकुछ साफ हो गया।

आइआइएम सभागार में केन्द्रीय विदेश राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह को सुनते विद्यार्थी • जागरण

Dainik Jagran, 06.03.2019, Pg. I